भाकृअनुप–कृषि प्रौद्योगिकी अनुप्रयोग अनुसंधान संस्थान
जी.टी. रोड, रावतपुर, कानपुर – 208 002
(उत्तर प्रदेश)
An ISO 9001:2015 Certified

(O) : (0512) 2533560, 2554746
Fax : (0512) 2533560, 2554746
Website : http://atarik.res.in
E-mail : zpdicarkanpur@gmail.com

दि. 07–07–2020

86वाँ कृषि विज्ञान केन्द्र बदायूँ–II का शिलान्यास

उत्तर प्रदेश के 86वाँ कृषि विज्ञान केन्द्र बदायूँ–II के शिलान्यास समारोह में माननीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री नरेन्द्र सिंह तोमर, माननीय कृषि राज्य मंत्री कैलाश चौधरी, भारत सरकार तथा माननीय कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही जी, उत्तर प्रदेश सरकार, डा. त्रिलोचन महापात्रा, सचिव डेयर एवं महानिदेशक भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद नई दिल्ली, डा. ए.के. सिंह उपमहानिदेशक (कृषि प्रसार) भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद नई दिल्ली, कुलपति सरदार वल्लभभाइ पटेल कृषि एवं प्रौ. विश्वविद्यालय, डा. अतर सिंह निदेशक भाकृअनुप–अटारी जोन–3 कानपुर, स्थानीय सांसद एवं विधायक महोदय एवं अन्य वरिष्ठ वैज्ञानिकगण आनलाइन उपस्थित रहे।

कुलपित सरदार वल्ल्भभाई पटेल विश्वविद्यालय मेरठ : कुलपित महोदय ने सभी महानुभाव का हार्दिक स्वागत एवं अभिनन्दन किया तथा उन्होंने माननीय कृषि मंत्री नरेन्द्र सिंह तोमर, माननीय कृषि राज्य मंत्री कैलाश चौधरी, भारत सरकार तथा माननीय कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही जी, उत्तर प्रदेश सरकार, डा. त्रिलोचन महापात्रा, सचिव डेयर एवं महानिदेशक भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद नई दिल्ली, डा. ए.के. सिंह उपमहानिदेशक (कृषि प्रसार) भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद नई दिल्ली तथा स्थानीय सांसद एवं विधायक जी का हार्दिक स्वागत एवं अभिनंदन करते हैं तथा आभार प्रकट करते हैं कि आपके प्रयासों से इस कृषि विज्ञान केन्द्र का शिलान्यास हो सका।

माननीय नरेन्द्र सिंह तोमर, कृषि एवं किसान कल्याण व ग्राम विकास एवं पंचायतो राज मंत्रो, भारत सरकार महोदय ने कहा कि समय के आभाव में कोविड–19 के प्रभाव द्वारा विडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से कार्यक्रम का शिलान्यास किया गया तथा कृषि विज्ञान केन्द्र के अन्तर्गत आने वाले सभी किसानों को हार्दिक बधाई तथा केवीके के वैज्ञानिक पूरी क्षमता के साथ काय करेंगे। यह उत्तर प्रदेश का 86वाँ कृषि विज्ञान केन्द्र है। सभी केवीके अच्छी भूमिका का निर्माण कर रहे हैं। यह कृषि की दृष्टि से काफी उपयुक्त है। मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ एवं कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही जी के निरन्तर प्रयासों से उत्तर प्रदेश के कृषि विज्ञान केन्द्र अपनी भूमिका में लौट रहा है। किसानों की आमदनी बढ़े, नई–नई प्रजातियों का विकास हो तथा आप सभी लोगों ने विगत दिनों जो कृषि में खालीपन दिखाई दिया। उनको भरने का कार्य आरम्भ किया है। सभी 20 नये स्वीकृत कृषि विज्ञान केन्द्रों को जमीन आवंटित हो गई है। आने वाले दिनों में रायबरेली, प्रयागराज तथा आजमगढ़ में भी केवीके आरम्भ हो जायेगा। मुरादाबाद कृषि विज्ञान केन्द्र की स्वीकृति के सम्बन्ध में महानिदेशक भाकृअनुप नई दिल्ली

इसको देखेंगे। आज बागवानी व खाद्यान्न के उत्पादन में हमारे वैज्ञानिकों को बड़ा योगदान रहा है। जिसमें हमारे संस्थान भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान पूसा नई दिल्ली, राँची, असम और कृषि विज्ञान केन्द्रों का महत्वपूर्ण स्थान व दायित्व है। हम जानते हैं कि हमारे देश में 85 प्रतिशत छोटे किसान हैं। इसमें आत्मा योजना के अन्तर्गत प्रशिक्षण हो तथा छोटे किसानों के बीच में जो दूरी है उसको भी भरने की आवश्यकता है। छोटे किसानों को न्यूनतम समर्थन मूल्य का लाभ नहीं मिल पा रहा था। अब केवीके के माध्यम से किसानों को जागरुक करना है तथा कृषि के क्षेत्र में 2 नये प्रावधान स्टेट एण्ड फार्मर एक्ट जिसमें किसानों को मण्डी जाने की जरुरत नहीं होगी और वह खेत से ही अपने उपज को पूरे देश में कहीं भी बेच सकता है। दूसरा मूल्य आश्वासन एवं किसान कल्याण संरक्षण–इसके द्वारा न्यूनतम समर्थन मूल्य की गारण्टी मिल सके इसका प्रावधान किया गया है। इसमें कोई भी बड़ा व्यापारी किसान के पास जा कर कम लागत में कौन सी खेती, अच्छी क्वालिटी के बीज एवं फसलों के बारे में किसानों को जागरुक करेगा तथा यह आश्वस्त करेगा कि हम न्यूनतम समर्थन मूल्य पर आपकी फसल की उपज किसी भी परिस्थिति में खरीदेंगे। इस एक्ट में किसान के साथ धोखाधड़ो न हो इसका भी प्रावधान है।

किसान मृदा परीक्षण पर ज्यादा ध्यान दें तथा रसायनिक खाद एवं दवाओं तथा पानी की बचत करके उत्पादन लागत कम करके उत्पादन को बढ़ा सकें। समूह कृषि बढ़े इसके लिये प्रजातियों का विकास हो, कृषि के क्षेत्र में उत्तर प्रदेश सतत विकास कर रहा है।

कोविड–19 के दौरान योजनाबद्ध तरीके से काम किया, 1 करोड़ लोगों को रोजगार मिला। आज उत्तर प्रदेश के अन्तर्गत प्रवासी मजदूरों को रोजगार दिलाया है। आने वाले कल में आपके क्षेत्र को इसका लाभ मिलेगा इस अवसर पर आप सभी को बधाई।

माननीय सूर्य प्रताप शाही, कृषि मंत्री उत्तर प्रदेश सरकार : महोदय ने नवसृजित केवीके के शिलान्यास के मौके पर माननीय कृषि मंत्री नरेन्द्र सिंह तोमर, माननीय कृषि राज्य मंत्री कैलाश चौधरी, भारत सरकार, डा. त्रिलोचन माहापात्रा सचिव डेयर एवं महानिदेशक भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद नई दिल्ली, डा. ए.के. सिंह उपमहानिदेशक (कृषि प्रसार) भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद नई दिल्ली, कुलपति एसवीपीयूएटी मेरठ तथा स्थानीय सांसद एवं विधायक और केवीके के वैज्ञानिकगण को धन्यवाद ज्ञापित किया और आज के इस कार्यक्रम में सम्मिलित सभी लागों का इस अवसर पर हृदय से अभिनन्दन। भारत सरकार ने 2015–16 में उत्तर प्रदेश को 20 नये कृषि विज्ञान केन्द्रों की स्वीकृति दी थी। 2 वर्षों तक कोई कृषि विज्ञान केन्द्र स्थापित नहीं हुए। उत्तर प्रदेश सरकार ने प्राथमिकता के आधार पर 20 कृषि विज्ञान केन्द्रों को भूमि उपलब्ध करा दी है तथा सभी कृषि विज्ञान केन्द्र इस वर्ष क्रियान्वयन हो जायेंगे। 37 कृषि विज्ञान केन्द्रों को राष्ट्रीय कृषि विकास योजना के अन्तर्गत 96 करोड़ रू दिया गया जिससे कि अपग्रेड किया जा सके। कृषि विज्ञान केन्द्रों को सिंचाई, सोलर पम्प, किसान छात्रावास, मधुमक्खी पालन, कृषि शिक्षा, राज्य कृषि विश्वविद्यालय को 1 करोड़ रु. सेन्टर ऑफ एक्सीलेन्स बनाने के लिये दिया गया। आने वाले दिनों में केवीके की भूमिका प्रथमपंक्ति प्रदर्शन द्वारा

कार्य कराने का दायित्व निभायेंगे। सभी कृषि विज्ञान केन्द्र स्वालम्बी बनाकर किसानो ंकी आय दोगुनी करें, प्रवासी मजदूरों की समस्या अपने यहाँ जैविक खेती के साथ–साथ सब्जी की खेती, मधुमक्खी पालन का प्रशिक्षण देकर भूमिका निभायें तथा 4 से 5 गाँव को गोद लें तथा किसानों के खेतों पर भी उत्पादन बढ़ा सकें इसका मिलजुल कर निरन्तर प्रयास करें। अन्त में देश को रिकार्ड खाद्यान्न उत्पादन के लिये माननीय कृषि मंत्री के नेतृत्व तथा समस्त देश वासियों को हार्दिक बधाई।

डा. त्रिलोचन महापात्रा, सचिव डेयर एवं महानिदेशक, भाकृअनुप–नई दिल्ली : कृषि विज्ञान केन्द्र किसान के जीवन का एक हिस्सा बन गया है। इनके माध्यम स 15 लाख किसानों को सालाना प्रशिक्षण दे रहे हैं तथा रोपण सामग्री, विभिन्न फसलों के प्रदर्शन के माध्यम से जानकारी एवं तकनीक का आदान–प्रदान किया जाता है जिससे लाखों की संख्या में किसानों की आमदनी दोगुनी हो। हम प्रयास करते हैं कि बुनियादी सुविधाएं प्राप्त हो और कोई बाधा नहीं आये। केवीके का कार्यक्रम नया होने के बावजूद चलता रहे। सबको हम बहुत बधाई देते हैं और शाही जी को बहुत–बहुत धन्यवाद जिनका कृषि विज्ञान केन्द्रों के सम्बन्ध में बहुत योगदान रहता है और हमारे उपमहानिदेशक डा. ए.के. सिंह को धन्यवाद। आप सभी को बहुत बधाई।

श्री राजीव कुमार सिंह, विधायक : कृषि मंत्री को बहुत–बहुत धन्यवाद जो इन्होंने इस क्षेत्र को केवीके के रूप में सौगात दिया तथा डा. ए.के. सिंह उपमहानिदेशक (कृषि प्रसार) को बहुत–बहुत बधाई। जो इन्होंने इस कृषि विज्ञान केन्द्र को स्थापित करने में मुख्य भूमिका निभाई। अब यहाँ के किसानों को नई गति एवं दिशा मिलेगी तथा किसानों को कृषि से सम्बन्धित उन्नत जानकारी एवं नवाचार देखने को मिलेंगे तथा उन्नत खेती में वृद्धि होगी तथा किसानों को नई जानकारियाँ प्राप्त होंगी।

डा. ए.के. सिंह, उपमहानिदेशक (कृषि प्रसार) भाकृअनुप–नई दिल्ली ने माननीय कृषि मंत्री नरेन्द्र सिंह तोमर, माननीय कृषि राज्य मंत्री कैलाश चौधरी, भारत सरकार तथा माननीय कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही जी, उत्तर प्रदेश सरकार, डा. त्रिलोचन माहापात्रा सचिव डेयर एवं महानिदेशक भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद नई दिल्ली, कुलपति एसवीपीयूएटी मेरठ तथा सांसद एवं विधायक जी का हार्दिक अभिनन्दन एवं आभार। आज यह गौरव का दिवस है कि यह उत्तर प्रदेश का 86वाँ कृषि विज्ञान केन्द्र है तथा बदायूँ का दूसरा है। आज इसके प्रशासनिक भवन के शिलान्यास के अवसर पर आप सभी का हार्दिक अभिनन्द एवं स्वागत है। पश्चिमी उत्तर प्रदेश कहीं भी कम नहीं है। पूरे उत्तर प्रदेश के कृषि के एवं विभाग मिलकर काम करेंगे। आप का मार्गदर्शन सदैव रहता है। केवीके और देश आगे मिलकर खाद्य उत्पादन को बढ़ायेंगे। माननीय मुख्य अतिथि एवं समस्त महानुभावों को हृदय से आभार।

कुलपति महोदय ने विश्वविद्यालय में उपलब्ध संसाधन एवं उपलब्धियों के बारे में सभी महानुभावों को अवगत कराया तथा विश्वविद्यालय में चल रही समस्त क्रिया कलापों से भी अवगत कराया तथा बताया कि विश्वविद्यालय में 6 महाविद्यालय, 4 रिसर्च स्टेशन, 20 कृषि विज्ञान केन्द्र तथा 1 कृषि ज्ञान केन्द्र कार्यरत हैं। कृषि तकनीकी प्रसार में इन सभी व्यवस्थाओं से सुगमता होगी। कृषि

विज्ञान केन्द्र किसानों की मदद के लिये हमेशा तैयार हैं। अन्त में महोदय ने महानिदेशक भाकृअनुप एवं कृषि मंत्री को अभिनंदन ज्ञापित किया।